

कटनी, भोपाल, मंडला, जबलपुर, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यशभारत

● वर्ष-20 अंक 236 ● कटनी ● मंगलवार, 29 सितम्बर, 2026 ● मूल्य- २रुपए ● पृष्ठ-8 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 3 ● विक्रम संवत् 2083

मौसम का डबल अटैक: पहाड़ों पर बर्फबारी, राजस्थान में ओले, यूपी में बाढ़ से हहकाार

***नई दिल्ली, एजेंसी।** देश के कई राज्यों में मौसम ने अचानक करवट ली है। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और बारिश से ठंड बढ़ गई है, जबकि राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के असर से कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। उत्तराखंड में खराब मौसम के कारण ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फंसे ट्रेकर्स और पर्वतारोहियों को निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान जारी है। वहीं उत्तर प्रदेश में बारिश और बाढ़ ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। प्रदेश की आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और 17 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।*

हिमाचल प्रदेश में पिछले तीन दिनों से जारी बारिश और ऊंचाई वाले पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। मनाली की ऊंची पहाड़ियों पर बर्फबारी हुई है। चंबा का अधिकतम तापमान सामान्य से 10.7 डिग्री सेल्सियस नीचे पहुंच गया। प्रदेश का औसत अधिकतम तापमान भी सामान्य से 6.2 डिग्री कम दर्ज किया गया है। शिमला समेत कई इलाकों में ठंड बढ़ने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। शिमला जिले में जंगलिख पुल के पास लैंडस्लाइड की भी सूचना है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में ऊंचाई वाले इलाकों में फंसे पर्वतारोहियों, ट्रेकर्स और सपोर्ट स्टाफ को सुरक्षित निकालने का अभियान चल रहा है। 28 सितंबर तक 136 लोगों में से 85 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया था, जबकि 51 लोग अभी फंसे हुए



थे। हालांकि मंगलवार को मौसम में सुधार के संकेत मिले हैं। उत्तरकाशी और रुद्रप्रयाग समेत पांच जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में बारिश के चलते बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। नेपाल से पानी छोड़े जाने के बाद कुशीनगर में गंडक नदी का जलस्तर बढ़ गया है। दो गांवों के करीब 1,400 परिवार प्रभावित हुए हैं, जबकि लगभग 600 परिवारों ने तटबंध पर शरण ली है। राजस्थान में जयपुर, बीकानेर और चूरू में बारिश के साथ ओले गिरे। तेज आंधी और बारिश के कारण कई जगह दिन में ही अंधेरा छ गया। दूसरी ओर मध्य प्रदेश में अगले चार दिनों तक बारिश की गतिविधियां कम रहने और कई हिस्सों में तेज धूप निकलने का अनुमान है।



गंडक में बाढ़, चंपारण तटबंध 150 फीट टूटा, बगहा शहर जलमग्न

गंडक नदी में आए उफान और पानी के अत्यधिक दबाव के चलते उत्तर बिहार के चार प्रमुख जिलों में भीषण बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। वाल्मीकिनगर स्थित गंडक बराज से इस साल का सर्वाधिक रिकॉर्ड 5.43 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद पश्चिमी चंपारण जिले के खैरतवा के सनीप चंपारण तटबंध अचानक टूट गया। इस हादसे के बाद बगहा शहर समेत आसपास के निचले इलाकों में रातोंरात पानी भर गया। बैतिया, मोतिहारी, छपरा और गोपालगंज में फसलें और मकान जलमग्न हो गए हैं, जिससे हजारों लोग सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने पर मजबूर हैं।सीमवाए रात करीब 9.30 बजे रतवल-चखनी मुख्य मार्ग पर खैरतवा के पास चंपारण तटबंध लगभग 150 फीट टूट गया। तटबंध टूटते ही गंडक का तेज पानी सरेह और चखनी, राजाबटिया, सिंगौड़ी पिपितिया, चंपपुर, रतवल पर पतितार पंचायतों के दर्जनों गांवों की तरफ तेजी से फैलने लगा। इससे रतवल-चखनी मार्ग पर आवागमन पूरी तरह हट हो गया और वाणीगण अरुणा समान सनेटकर तटबंध तथा अन्य ऊंचे स्थलों की ओर भागने लगे। गौरतलब है कि बीते वर्ष भी ठीक इसी जगह पर तटबंध टूटा था।



18 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर नियम बनाने पर विचार करे सरकार: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से 18 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट को लेकर कानूनी और नियामकीय व्यवस्था बनाने पर विचार करने को कहा है। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि भारत में काम करने वाले सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्मस को भारतीय कानूनों का पालन करना होगा, भले ही वे विदेश में पंजीकृत हों। कोर्ट की टिप्पणी थी कि बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्था केवल दिशानिर्देशों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे वैधानिक रूप देने पर विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने ‘जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस’ की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह बात कही। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने माता-पिता की सहमति के आधार पर सोशल मीडिया अकाउंट की व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 79 का भी उल्लेख किया और कहा कि यह मुद्दा डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 के दायरे में आ सकता है। याचिका में बच्चों को ऑनलाइन रूमिंग, यौन शोषण, सेक्सटॉशन, डिजिटल तस्करी, साइबरबुलिंग और निजी डेटा के दुरुपयोग जैसे खतरों से बचाने की मांग की गई है। हालांकि, फिलहाल 18 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर कोई देशव्यापी प्रतिबंध लागू नहीं हुआ है।

एंथेक्स का खौफ: बांधवगढ़ में 1500 वर्गमीटर क्षेत्र की घेराबंदी, तीन साल तक पर्यटकों की नो एंट्री

उमरिया, यशभारत। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में एंथेक्स संक्रमण से एक हाथी की मौत के बाद वन विभाग ने एहतियाती कदम उठाते हुए करीब 1500 वर्गमीटर क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। प्रभावित क्षेत्र में पर्यटकों के प्रवेश पर तीन साल के लिए रोक लगा दी गई है। इसमें वह स्थान भी शामिल है, जहां हाथी की मौत हुई थी। संक्रमण फैलने की आशंका को देखते हुए क्षेत्र को चेन-लैंक फेसिंग से सुरक्षित किया गया है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन विभाग के 15 हाथी हैं, जबकि जंगली हाथियों की संख्या 80 से 90 के बीच बताई जा रही है। एंथेक्स की पुष्टि के बाद प्रबंधन ने पालतू और जंगली, दोनों तरह के हाथियों की स्वास्थ्य जांच और निगरानी बढ़ा दी है। करीब चार महीने पहले इसी कैप में इलाज के दौरान गायत्री नामक मादा हाथी की मौत हुई थी। इसके बाद कोर जोन में टीकाकरण कराया गया और



हाथियों की निगरानी बढ़ाई गई। बांधवगढ़ के फील्ड डायरेक्टर अनुपम सहाय के अनुसार, एंथेक्स का पता चलने के बाद सुरक्षा की दृष्टि से प्रभावित क्षेत्र को घेरकर प्रतिबंधित किया गया है। हाथियों का टीकाकरण और उनकी लगातार निगरानी भी की जा रही है। एंथेक्स के खतरों के बीच बांधवगढ़ में आयोजित पांच दिवसीय हाथी महोत्सव सोमवार को संपन्न हुआ। विभाग के सभी 15 हाथी मंगलवार सुबह से नियमित ड्यूटी पर लौट गए। हाथियों को जंगल में गश्त, निगरानी और बचाव कार्यों में लगाया जाएगा।

नीरू के सटीक निशाने से भारत को पांचवां गोल्ड

महिलाओं की ट्रैप शूटिंग में रचा इतिहास, टीम इवेंट में भी रजत

नगोया, जापान, एजेंसी। एशियन गेम्स-2026 में भारतीय निशानेबाज नीरू ढांडा ने मंगलवार को महिलाओं की ट्रैप शूटिंग स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत को इस संस्करण का पांचवां गोल्ड दिलाया। नीरू एशियन गेम्स में महिलाओं के ट्रैप इवेंट में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। नीरू की स्वर्णिम सफलता के साथ भारत के पदकों की संख्या 47 हो गई है। भारत के खाते में अब 5 स्वर्ण, 21 रजत और 21 कांस्य पदक हैं। इससे पहले भारत ने चार स्वर्ण, 21 रजत और 21 कांस्य पदक जीते थे। महिला ट्रैप के टीम इवेंट में भी भारतीय टीम ने रजत पदक हासिल किया। नीरू ढांडा, आशिमा अहलवाल और मनीषा कोर की टीम ने 328 अंक बनाए। चीन ने 346 अंक के साथ स्वर्ण और कुवैत ने 325 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

शूटिंग में भारत का यह 13वां पदक है। इससे पहले भारतीय निशानेबाज सात रजत और चार कांस्य पदक जीत चुके हैं। वहीं बाक्सिंग में परवीन हुड्डा ने महिलाओं के 65 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में चीन की शू ली को 5-0 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। उनका कम से कम रजत पदक पक्का हो गया है। फाइनल में उनका



सामना चीनी ताइपे की चेन निएन-चिन से होगा। तीरंदाजी में कीर्ति और कुमकुम मोहोड़ ने महिला रिकर्व व्यक्तिगत स्पर्धा के राउंड ऑफ-16 में जगह बनाई। वहीं पुरुष क्रिकेट के सेमीफाइनल में भारत का सामना श्रीलंका से होगा।

भारत-श्रीलंका में होगा मंस क्रिकेट का सेमीफाइनल

जापान के आइवी-नागोया में खेले जा रहे एशियन गेम्स 2026 के मंस क्रिकेट सेमीफाइनल में भारत का सामना श्रीलंका से और पाकिस्तान का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। चारों कांटे फाइनल मैच बारिश के कारण बिना एक भी गेट फेके रह ले गए। इसके बाद बेहतर ICC टी-20 रैंकिंग के आधार पर भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

गोल्डी बराइ FBI की मोस्ट वांटेड भगोड़ों की सूची में शामिल, 10 लाख डॉलर तक का इनाम



वांशिगटन, एजेंसी। अमेरिका की जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने भारतीय मूल के गैंगस्टर सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराइ को अपनी 10 मोस्ट वांटेड भगोड़ों की सूची में शामिल किया है। FBI ने गोल्डी बराइ की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने वाले व्यक्ति को 10 लाख डॉलर तक का इनाम देने की घोषणा की है।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, गोल्डी बराइ पर लॉरेंस बिशनोई ऑर्गनाइज्ड क्राइम रूप से कथित रूप से जुड़े होने का आरोप है। FBI का कहना है कि यह गिराई दक्षिणी कैलिफोर्निया के अलावा अमेरिका और कनाडा में

विभिन्न हिंसक गतिविधियों में कथित तौर पर शामिल रहा है। FBI के मुताबिक गोल्डी बराइ पर राजनीतिक और धार्मिक हरितियों की हत्या, गोलीबारी, हत्या, अपहरण, जबरन वसूली, मारपीट तथा मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी से जुड़े आरोप हैं। उसे हथियारबंद और खतरनाक भगोड़ा बताया गया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार वह उत्तरी अमेरिका में इस नेटवर्क का कथित नेतृत्व करता है।

1 जुलाई को जारी हुआ था फेडरल वारंट

गोल्डी बराइ के खिलाफ 1 जुलाई को यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, सेट्रल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया ने गिरफ्तारी का फेडरल वारंट जारी किया गया था। उस पर टेक्सेट्रु इन्वॉल्यूंड एंड करंट ऑर्गनाइज्ग्रेस (RICO) साजिश, जंजन वसूली के जिक्र कारोबार में दखल देने की साजिश और प्रतिबंधित पदार्थों के वितरण से संबंधित आरोप लगाए गए हैं।



पश्चिम बंगाल: पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन के 15 टिकनों पर ईडी की छापेमारी,

मनी लॉड्रिंग मामले में कार्रवाई

कोलकाता, ईएमएस। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री इंद्रनील सेन और कुछ अन्य लोगों से जुड़े टिकनों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई कथित मनी लॉड्रिंग और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामले में की गई है। अधिकारियों के मुताबिक, ईडी ने कुल 15 टिकनों पर तलाशी ली। यह कार्रवाई एक ऐसे संगठन से जुड़े मामलों में की गई, जो दुर्गा पूजा के पीछू थो आयोजित करता था। जांच एजेंसी को इस संगठन के जटिल कथित तौर पर वित्तीय गड़बड़ी किए जाने की जानकारी मिली है। ईडी का आरोप है कि मासआर्ट (महानिर्वाण रंड मास आर्ट सोसाइटी) नाम की संस्था ने लोगों से बड़ी रकम जुटाई। इस संस्था का नेतृत्व इंद्रनील सेन की पत्नी करती है। आरोप है कि लोगों से पैसे लेते समय यह दावा किया गया कि रकम यूनेस्को द्वारा प्रायोजित किसी संस्था के लिए इस्तेमाल की जाएगी।

सरपंच के पति को 4 हजार रुपये की रिश्तत लेते EOW ने पकड़ा

मंदसौर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (EOW) उज्जैन की टीम ने रिश्ततखोरी के मामले में दलौदा ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि अनिल कैथवास को 4 हजार रुपये लेते रगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार दलौदा निवासी विक्रम सिंह को बैंक से लोन लेना था। लोन प्रक्रिया के लिए उन्हें ग्राम पंचायत से एनओसी की जरूरत थी। आरोप है कि एनओसी देने के एवज में सरपंच प्रतिनिधि अनिल कैथवास ने उनसे 4 हजार रुपये की रिश्तत मांगी। रिश्तत देने के इच्छुक नहीं होने पर विक्रम सिंह ने इसकी शिकायत EOW उज्जैन से की। शिकायत के सत्यापन के बाद टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई।

कृषि उपज मंडी के पास पकड़ा

तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता 4 हजार रुपये लेकर दलौदा की कृषि उपज मंडी के पास पहुंचा। जैसे ही अनिल कैथवास ने उससे रिश्तत की रकम ली, पहले से मौजूद EOW की टीम ने उसे मौके पर पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद टीम ने दलौदा ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचकर दस्तावेजों, सरकारी रिकॉर्ड और वित्तीय लेन-देन की जांच शुरू की। अनिल कैथवास की पत्नी दुर्गा कैथवास दलौदा ग्राम पंचायत की सरपंच हैं। आरोप है कि पंचायत के कामकाज में अनिल कैथवास सरपंच प्रतिनिधि के रूप में सक्रिय थे।

च्वॉइस ऑफ हिंद आतंकी साजिश मामले में चार दोषियों को सजा

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की विशेष अदालत ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (ISIS) के च्वॉइस ऑफ हिंदू आतंकी साजिश मामले में चार दोषियों को सजा सुनाई है। राउज एवेन्यू जिला अदालत परिसर स्थित NIA की स्पेशल कोर्ट-01 ने उमर निसार उर्फ कासिम खुरासानी, रमीज अहमद लोन और तनवीर अहमद भट को छह-छह साल की कठोर कैद की सजा सुनाई। वहीं अफशान परवेज जराबी को पांच साल की कठोर कैद की सजा दी गई। अदालत ने सभी दोषियों पर अलग-अलग जुर्माना भी लगाया है।

उमर निसार पर 36 हजार रुपये, रमीज अहमद लोन पर 31 हजार रुपये, तनवीर अहमद भट पर 23 हजार रुपये और अफशान परवेज जराबी पर 9 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। इससे पहले 17 सितंबर को विशेष अदालत ने चारों आरोपियों को दोषी करार दिया था। अदालत ने उन्हें आपराधिक साजिश और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दोषी पाया था।

युवाओं को कट्टरपंथी बनाने का आरोप

हट्ट के मुताबिक मामला ढूस्हूट की उस साजिश से जुड़ा है, जिसके तहत भारत में युवाओं को



कट्टरपंथी बनाकर उन्हें हिंसक गतिविधियों के लिए संगठन में भर्ती करने की कोशिश की जा रही थी। जांच एजेंसी के अनुसार, नेटवर्क से जुड़े लोगों ने नकली ऑनलाइन पहचान का इस्तेमाल कर ढूस्हूट की विचारधारा और प्रचार सामग्री फैलाने का काम किया। इसके अलावा जमीनी स्तर पर आतंकी गतिविधियों के लिए फंडिंग की जा रही थी।

च्वॉइस ऑफ हिंद की सामग्री तैयार करने का आरोप

जांच में सामने आया कि आरोपी ढूस्हूट की भारत-केंद्रित प्रचार पत्रिका च्सीत-अल-हिंदूज यानी च्वॉइस ऑफ हिंदूज का सजा तैयार करने, संपादित करने, प्रकाशित करने और ऑनलाइन प्रसारित करने में शामिल थे। हट्ट के अनुसार इस नेटवर्क का उद्देश्य भारतीय युवाओं को कट्टरपंथी बनाना और उन्हें सीरिया, इराक, अफगानिस्तान समेत अन्य संघर्ष वाले क्षेत्रों में ढूस्हूट में शामिल होने के लिए भेजना था। जांच के दौरान बड़ी मात्रा में डिजिटल सामग्री और दस्तावेज भी जब्त किए गए।

जिसे तुम अंकल कहती थी, वह पूरी जिंदगी पिंजरे में बिताएगा 10 साल की रेप पीड़ित बच्ची के नाम जज ने लिखा खास पत्र कहा—तुम्हारा बचपन वापस नहीं ला सकते, लेकिन तुम्हारा साहस याद रखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट जज ने 10 साल की रेप पीड़ित बच्ची के लिए फैसला सुनाने के बाद एक विशेष पत्र लिखा। जज रजनी रंगा ने बच्ची के साहस की सराहना करते हुए कहा कि अदालत उसका बचपन वापस नहीं ला सकती, लेकिन उसकी हिम्मत को हमेशा याद रखा जाएगा। मामला 23 जुलाई 2023 का है, जब बच्ची 7 साल की थी। उसके माता-पिता ने सुमित शक्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। बच्ची आरोपी को ‘अंकल’ कहती थी। अदालत में बच्ची ने आरोपी की पहचान की और घटना के बारे में सच बताया। जज ने अपने पत्र में बच्ची से कहा कि वह चुप नहीं रही और अपनी मां को पूरी बात बताई। उनके मुताबिक, बच्ची की हिम्मत से आरोपी को किसी दूसरे बच्चे को



नुकसान पहुंचाने से रोका जा सका। पत्र में जज ने बच्ची को भरोसा दिलाया कि दोषी अपनी जिंदगी के बाकी समय जेल में रहेगा। उन्होंने बच्ची से कहा कि अब वह अपनी जिंदगी जी जाए, स्कूल जाए, दोस्त बनाए, हंसे, खेले और अपने सपने देखे। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस पत्र को बच्ची तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने इसे साहस का संदेश बताते हुए नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पत्र की प्रति बच्ची

जीवन में बदलाव

स्वाभाविक है।

इसे अपनाना

सीखो, लड़ना नहीं।

शुभांक-8-7-9



ममरी पछान, आनकी सेवा

एम. जी. एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग

कटनी (म.प्र.)

15 वर्ष

कृतज्ञता एवं विद्या





सीटें सीमित हैं
शीघ्र आवेदन करें!



प्रवेश प्रारंभ

शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु

बी.एससी. नर्सिंग

4 वर्ष डिग्री कोर्स
(INC डिप्लोमा के अनुसार)

12वीं PCB (विज्ञान, केमिस्ट्री, बायोलॉजी)
न्यूनतम 45% अंकों के साथ
एवं MP PHST प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य है।

जी.एन.एम. नर्सिंग

3 वर्ष डिप्लोमा कोर्स
(MPNRC मान्यता प्राप्त)
साथ

12वीं किसी भी विषय से उत्तीर्ण
न्यूनतम 40% अंकों के साथ

 कृपा

 कोशल

 समर्पण

एम. जी. एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कटनी (म.प्र.)

प्रवेश जानकारी हेतु संपर्क करें

 7771001902

पता

 कावर्ही स्वामीयार, फोरस्टर्ड प्लोडांड
के सामने, (म.प्र.)

वेबसाइट

 www.mgmcollegeofnursing.in



INSTAGRAM: [mgm_college_of_nursing_katni](https://www.instagram.com/mgm_college_of_nursing_katni)



FACEBOOK: Mgm Nursing

कटनी का फ्रंट पेज

50 साल बाद भी नहीं मिला जमीन का मालिकाना हक

भूमिहीन परिवारों ने पट्टे की मांग को लेकर दिया धरना

कटनी, यशभारत। वर्षों से मालिकाना हक और भूमि पट्टे की मांग कर रहे ग्राम बिजौरी के सैकड़ों महिला पुरुष ग्रामीणों का सोमवार को सब्र टूट गया। ग्रामीणों ने पुरानी कचहरी तिराहे पर एकत्र होकर शासन प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी करते हुए धरना दिया।

कचहरी तिराहे पर जताया विरोध, तहसीलदार ने दिया



करीब एक घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद मौके पर पहुंचे तहसीलदार ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे शीला बाई, सावित्री बाई, सोमवती, दिनेश दास और कान्हा सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि वे बाणसागर परियोजना के डूब क्षेत्र से विस्थापित परिवार हैं। ग्रामीणों के अनुसार शासन द्वारा उन्हें ग्राम बिजौरी के भमडार टोला स्थित खसरा नंबर

163 में बसाया गया था। यहां करीब 200 गरीब एवं भूमिहीन परिवार पिछले 50 से 60 वर्षों से मकान बनाकर निवास कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इतने लंबे समय से निवास करने के बावजूद आज तक उक्त भूमि को आबादी घोषित नहीं किया गया और न ही उन्हें अधिकार पत्र या भूमि पट्टा दिया

गया है। ग्रामीणों ने बताया कि भूमि पट्टे की मांग को लेकर वे कई बार कलेक्टर सहित संबंधित अधिकारियों को आवेदन और ज्ञापन दे चुके हैं। हाल ही में 10 सितंबर को भी प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया था लेकिन ग्रामीणों के अनुसार अब तक मौके पर पहुंचकर जांच नहीं की गई।

भू-माफियाओं और असामाजिक तत्वों पर आरोप

पट्टा नहीं मिलने के कारण ग्रामीणों ने भू-माफियाओं और असामाजिक तत्वों से परेशान किए जाने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि उन्हें जमीन से बेदखल करने के लिए मकान गिराने तथा जान माल को लुकासाने पहुंचाने की धमकियां भी दी जाती हैं। ग्रामीणों ने कहा कि खसरा नंबर 163 की जमीन के अलावा उनके पास रहने के लिए कोई दूसरा आश्रय नहीं है।

जांच और कार्रवाई का मिला आश्वासन

कचहरी तिराहे पर ग्रामीणों के धरने के कारण करीब एक घंटे तक अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। सूचना मिलने पर तहसीलदार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया जिसके बाद ग्रामीणों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि खसरा नंबर 163 को जल्द आबादी घोषित कर उन्हें भूमि के अधिकार पत्र नहीं दिए गए तो वे आगामी दिनों में आंदोलन को और व्यापक करने के लिए बाध्य होंगे।



बारिश के बाद सड़कों में गड़ढे आवागमन में हो रही परेशानी

विजयराघवगढ़, यशभारत। पितृपक्ष में पितरों एवं पूर्वजों को विधि विधान से तर्पण हेतु नदी के घाट एवं पूजन स्थल में नगर के लोगों को खान एवं तर्पण के निमित्त आना जाना पड़ता है। किंतु अंधा मोड़ से घाट तक मार्ग की स्थिति वर्षा एवं भारी वाहनों के आवागमन के कारण मार्ग में बड़े-बड़े गड़ढे हो गए हैं। जहां पैदल आवागमन लायक मार्ग में सुधार एवं पीपल वृक्ष के नीचे वं घाट में गंदगी के आलम से प्रातः तर्पण व जलांजलि हेतु लोगों को परेशानी हो रही है। आवागमन सुविधा के साथ पूजन स्थल की सफाई को ध्यान में रखते हुए सुविधा अनुसार मार्ग व्यवस्थित करने की अपील की गई है।



बाइक से गिरकर घायल हुआ युवक

शाहनगर पुलिस ने 112 की मदद से पहुंचाया अस्पताल

कटनी/शाहनगर, यशभारत। बुधरौंड निवासी सुक्क आदिवासी पिता बेटा आदिवासी बाइक से गिरकर घायल हो गया। हदसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही शाहनगर पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायल युवक की मदद की। पुलिस ने 112 वाहन की सहायता से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहनगर पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा घायल का उपचार शुरू किया गया। समय पर मिली सहायता के चलते घायल को जल्द चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकी। घटना के



दौरान आरक्षक नान सिंह मुवेल, आरक्षक सोहन तथा 112 वाहन के पायलट सतीश तिवारी ने तत्परता दिखाते हुए घायल को अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से सड़क हदसे में घायल व्यक्ति को समय पर उपचार मिल सका। शाहनगर पुलिस की टीम द्वारा आपात स्थिति में



तत्काल सहायता पहुंचाने की कार्रवाई की गई।

ट्रेन के एसी कोच में सांप की अफवाह से हड़कम्प

कटनी से खाना होने के बाद दमोह में एक घंटे चला सर्च ऑपरेशन

कटनी, यशभारत। जबलपुर से कटनी मुड़वारा होकर हजरत निजामुद्दीन जा रही मध्यप्रदेश संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के एसी बी-3 कोच में सांप देखे जाने की सूचना से यात्रियों में हड़कंप मच गया। कटनी और दमोह के बीच यात्रा के दौरान एक यात्री ने कोच में सांप दिखाई देने का दावा किया, जिसके बाद रेलवे प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। सांप देखे जाने की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों ने दमोह स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। रात करीब 10 बजे ट्रेन के दमोह रेलवे स्टेशन पहुंचने पर आरपीएफ जीआरपी और रेलवे कर्मचारियों की टीम सक्रिय हो गई। सांप की तलाश के लिए सपेरों को भी स्टेशन पर बुलाया गया।



प्लेटफार्म नंबर 1 पर ट्रेन के रुकते ही सपेरों ने बीन बजाकर बी 3 कोच में सांप की तलाश शुरू की। सुरक्षा बलों और रेल



कर्मचारियों के साथ मिलकर कोच के अंदर करीब एक घंटे तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया।

एक घंटे देरी से खाना हुई ट्रेन

सुरक्षा टीम ने कोच के विभिन्न हिस्सों में गहन तलाशी ली, लेकिन करीब एक घंटे चले अभियान के दौरान कोच में कोई सांप नहीं मिला। इसके बाद रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों की सुरक्षा को लेकर स्थिति स्पष्ट की और ट्रेन को आगे खाना करने का निर्णय लिया। तलाशी अभियान के चलते मध्य प्रदेश संपर्क क्रांति एक्सप्रेस करीब एक घंटे तक दमोह स्टेशन पर खड़ी रही। रात करीब 11 बजे ट्रेन को सागर की ओर खाना किया गया। सांप की मौजूदगी की पुष्टि नहीं होने और तलाशी पूरी होने के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली हालांकि इस दौरान ट्रेन में सवार यात्रियों को करीब एक घंटे तक परेशानी का सामना करना पड़ा।

तमिलनाडु में मिली लापता नाबालिग बालिकाएं

बड़वारा पुलिस ने कटनी लाकर परिजनों को सौंपा



कटनी, यशभारत। ऑपरेशन मुस्कान के तहत बड़वारा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अलग-अलग मामलों में लापता हुई दो नाबालिग बालिकाओं को तमिलनाडु से सकुशल दस्तयाब कर उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। बड़वारा पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और साइबर सेल की मदद से दोनों मामलों में कार्रवाई की। पुलिस के मुताबिक 10 सितंबर को 15 वर्षीय नाबालिग के लापता होने की शिकायत दर्ज

कराई गई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने बालिका को तमिलनाडु से 28 सितंबर को दस्तयाब किया और सकुशल परिजनों को सौंप दिया। इसी तरह 17 अप्रैल को 17 वर्षीय नाबालिग के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। इस मामले में भी प्रकरण दर्ज कर तलाश की जा रही थी। पुलिस टीम ने साइबर सेल की सहायता से बालिका का

पता लगाया और 28 सितंबर को तमिलनाडु से उसे सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया। दोनों मामलों में पुलिस टीम की कार्रवाई में थाना प्रभारी सुयश पाण्डेय, उप निरीक्षक विष्णुशंकर जायसवाल, सहायक उप निरीक्षक मोनेन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक दानबहादुर सिंह, महिला आरक्षक रुपाली यादव तथा साइबर सेल के आरक्षक शुभम गौतम एवं दीपक शर्मा की विशेष भूमिका रही।

प्रौढ़ को जान से मारने की धमकी

कटनी, यशभारत। विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत खरखरी अंतर्गत छेहरा मैदान में निर्माणाधीन मंदिर देखने गए एक प्रौढ़ के साथ कथित रूप से गाली गलौज, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने विजयराघवगढ़ थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपकर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार ग्राम मेहगांव निवासी पीड़ित छेहरा मैदान में बन रहे निर्माणाधीन मंदिर को देखने पहुंचे थे। इसी दौरान ग्राम अमुआरी निवासी कन्हैयालाल शर्मा पिता भगवानदास शर्मा वहां पहुंचे। पीड़ित का आरोप है कि मंदिर परिसर में उनके प्रवेश को लेकर आरोपी ने आपत्ति जताई और कथित रूप से जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए अश्रद्ध भाषा में बात की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विरोध करने पर आरोपी ने गाली गलौज करते हुए पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित विजयराघवगढ़ थाने पहुंचे और पुलिस को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए लिखित शिकायत सौंपी।

तिरंगा रैली निकालकर मनाई शहीद भगत सिंह की जयंती

देशभक्ति के नारों से गुंज, जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत

पर्व, यशभारत। शहीद ए आज़म भगत सिंह की जयंती के अवसर पर सोमवार को पर्व नगर में युवाओं द्वारा विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। हाथों में तिरंगा और जुबां पर देशभक्ति के नारों के साथ बड़ी संख्या में युवा रैली में शामिल हुए। रैली के दौरान पूरा नगर देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। रैली का शुभारंभ जगदीश स्वामी मंदिर से हुआ। यहां से युवाओं की रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए नन्हौं क्षेत्र पहुंची। इस दौरान युवाओं ने भारत माता और शहीद भगत सिंह के जयकारे लगाए। देशभक्ति से ओतप्रोत नारों से नगर का वातावरण गुंजता रहा। रैली का नगर में जगह-जगह लोगों द्वारा उत्साहपूर्वक



स्वागत किया गया। कई स्थानों पर युवाओं और रैली में शामिल लोगों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान नागरिकों में भी रैली को लेकर उत्साह देखने को मिला। वहीं नगर परिषद पर्व अध्यक्ष एवं भाजपा जिला महामंत्री बसंत दहायत ने भी अपने समर्थकों एवं कार्यकर्ताओं के साथ रैली का स्वागत किया। उन्होंने युवाओं का पुष्पवर्षा एवं स्वागत कर उत्साहवर्धन किया। इस दौरान बड़ी

संख्या में कार्यकर्ता एवं नगरवासी मौजूद रहे। रैली में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। युवाओं ने कहा कि भगत सिंह का त्याग साहस और राष्ट्रप्रेम आज भी देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके विचारों और देश के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए युवाओं ने राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। नगर भ्रमण के बाद तिरंगा रैली जुग: जगदीश स्वामी मंदिर पहुंची।

DLG CINEMAS
माधवनगर गेट के पास, कटनी (म.प्र.) फोन 07622-299299

FROM 28 SEPTEMBER 2026

2:00, 4:45 PM
7:30, 10:15 PM

3:30, 6:30 PM
9:30 PM

BOOKING OPEN NOW KINDLY VISIT [bookmyshow](#)

बुकिंग के लिये संपर्क करें Ph. 07622-473999

JOIN US : [f](#) [t](#) [w](#) [in](#) [app](#) **सिटी प्राइड सिनेमा में** [BOOK SHOW](#) [PAYTM](#)

25 सितम्बर से रोजाना 1 शो
AUDI-1
03:45PM

28 सितम्बर से रोजाना 2 शो
AUDI-2
04:00PM | 010:00PM

25 सितम्बर से रोजाना 3 शो
AUDI-1
10:15AM | 01:15PM | 07:30PM

28 सितम्बर से रोजाना 4 शो
AUDI-2
10:45AM | 01:15PM
AUDI-3
07:30PM | 10:15PM

CB HEALTH CARE
commitment to best patient care

डॉ. धर्मेन्द्र सिंह बागरी
एमडी जनरल मेडिसिन
Ex_senior Resident, cardiology

- ECG एवं PFT (Spirometry) की सुविधा
- 2D ECHO व कलर डॉपलर ईको कार्डियोग्राफी
- हृदय रोग संबंधी सभी प्रकार की समस्याएं (हार्ट अटैक, हार्ट फेलियर)
- की.पी., डायबिटीज (शुगर) थायराईड एवं श्वास संबंधित सभी समस्याएं
- जोड़ों में दर्द गठिया वात से संबंधित सभी समस्याएं
- जनरल मेडिसिन से सम्बंधित समस्याओं के उपचार हेतु।

समय : सुबह 10 से 2 बजे तक, राय 5.30 से 8 बजे तक (रविवार क्लीनिक बंद रहेगा)

डन कॉलोनी मोड़, बस स्टॉप मेन रोड, बरगावां, कटनी

Reg.No.- MP25236
+91 8602054967
+91 8602915994
drbagri@cbcarehealth.in

साइबर ठगी का बढ़ता जाल, पुलिस के सामने नई चुनौती

साइबर फ्राँड अब केवल तकनीक से जुड़ा अपराध नहीं रह गया है, बल्कि यह आम आदमी की मेहनत की कमाई पर सीधा हमला बन चुका है। कटनी में हर दूसरे दिन किसी न किसी व्यक्ति के खाते से रकम निकल जाने की खबरें सामने आना और महीने में 20 से अधिक मामलों का सामने आना चिंता का गंभीर विषय है। जबलपुर में भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही बताई जा रही है, जहां लगातार लोग साइबर ठगी का शिकार हो रहे हैं। सबसे चिंताजनक बदलाव यह है कि साइबर अपराध का नेटवर्क अब केवल दूसरे राज्यों तक सीमित नहीं दिखाई देता। पहले बिहार, कोलकाता, राजस्थान जैसे राज्यों से जुड़े गिरोहों की चर्चा होती थी, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर भी ऐसे नेटवर्क सक्रिय होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। इसका अर्थ है कि अपराधियों ने तकनीक, बैंकिंग प्रणाली और लोगों की मनोवैज्ञानिक कमजोरियों को समझकर ठगी के नए तरीके विकसित कर लिए हैं। साइबर अपराधी कभी बैंक अधिकारी बनकर, कभी पुलिस एा जांच एजेंसी का अधिकारी बनकर, कभी केवाईसी अपडेट के नाम पर तो कभी निवेश और ऑनलाइन नौकरी का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। कई मामलों में कुछ ही मिनटों में खाते से पूरी जमा-पूँजी गायब हो जाती है। पीड़ित को जब तक ठगी का एहसास होता है, तब तक रकम कई खातों से होते हुए आगे भेजी जा चुकी होती है। यहां सवाल यहलग्न ठगी की घटनाओं का नहीं, बल्कि ठगी के बाद कार्रवाई की गति और अपराधियों तक पहुंचने की क्षमता का भी है। यदि शिकायतें लगातार बढ़ रही हैं और गिरफ्तारी की संख्या उसके अनुपात में कम है, तो पुलिस की साइबर जांच व्यवस्था की समीक्षा जरूरी हो जाती है। साइबर अपराध में समय सबसे महत्वपूर्ण होता है। शुरुआती घंटों में बैंकिंग चैनल के जरिए रकम रोकने की संभावना रहती है। इसलिए शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जितनी तेज होगी, पैसा वापस मिलने की संभावना उतनी ही बढ़ सकती है। पुलिस को अब साइबर अपराध के खिलाफ केवल घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय स्थानीय नेटवर्क की पहचान, बैंक खातों की निगरानी, फर्जी सिम और खातों के इस्तेमाल, डिजिटल लेन-देन की कड़ियों तथा अपराधियों के आपसी नेटवर्क को चिन्हित करने पर ज्यादा जोर देना होगा। थातों के स्तर पर साइबर अपराध की प्रारंभिक जांच की क्षमता बढ़ाना भी जरूरी है। लेकिन पूरी जिम्मेदारी पुलिस की भी नहीं है। आम नागरिक को भी साइबर सुरक्षा को लेकर उतना ही सजग होना पड़ेगा। ओटीपी, एटीएम पिन, सीवीवी, बैंक पासवर्ड या यूपीआर पिन किसी से साझा न करना, अनजान लिंक पर क्लिक न करना और अनजान व्यक्ति के कहने पर कोई ऐप डाउनलोड न करना अब सामान्य सावधानी नहीं, बल्कि जरूरी सुरक्षा उपाय हैं। साइबर अपराध का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि अपराधी सामने आए बिना अपराध कर रहा है। इसलिए इसका मुकाबला भी पारंपरिक पुलिसिंग से आगे बढ़कर तकनीकी दक्षता और त्तरित कार्रवाई से ही किया जा सकता है। कटनी और जबलपुर जैसे शहरों में बढ़ती घटनाएं एक चेतावनी हैं। आज किसी एक व्यक्ति के खाते से निकली रकम कल किसी दूसरे परिवार की जमा-पूँजी हो सकती है। इसलिए साइबर ठगी को छोटी-मोटी ऑनलाइन धोखाधड़ी समझने की भूल नहीं की जा सकती। पुलिस, बैंकिंग संस्थानों और आम नागरिकों के बीच बेहतर समन्वय ही इस डिजिटल अपराध के बढ़ते जाल को रोकने की पहली शर्त है।

कड़वे वचन

दूध उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो उस पर ठंडा पानी डाल दो या फिर गैस बंद कर दो । ठीक इसी तरह सामने वाला अगर क्रोध में उबल रहा है तो उसे शांत करने के दो ही तरीके हैं या तो आप चुप हो जाइये या फिर वहां से हट जाइये । जहां दूसरों को समझाना मुश्किल हो जाए वहां खुद को समझा लेना ही बेहतर है । चुप्पी कई सवालों का जवाब हुआ करती है । कुछ सवालों का जवाब चुप्पी से देना सीखो ।

आज का राशिफल

पंचांग:- 29 सितंबर 2026

दिन-मंगलवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष

विक्रम संवत् 2083

मेघ

धार्मिक स्थल पर समय व्यतीत करने से सुकृत्न मिलेगा। कोई भूमि संबंधी खरीद-फरोख्त का कार्य हो सकता है।

वृष

घर में किसी संबंधी के आगमन से आपके महत्वपूर्ण कार्य रुक सकते हैं। धैर्य से कार्य करें

सिंह

साझेदारी संबंधी व्यवसाय में पारदर्शिता रखें। नौकरी पेशा लोगों को कोई अधीरिटी मिल सकती है।

तुला

आधुनैक चीजों का इस्तेमाल करें। स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा उलम दिनचर्या रखें।

धनु

दिन उत्साह भर रहेगा आपकी योजना से सभी कार्य सुचारु रूप से होते जाएंगे

कुंभ

बातचीत करते समय अहद भाषा का प्रयोग न करें। इससे संबंध खराब हो सकते हैं।

विचार प्रवाह

दिल का मामला है, हर धड़कन कुछ कहती है..!

(विश्व हृदय दिवस पर विशेष)

आज विश्व हृदय दिवस है। पिछले एक दशक में, स्वस्थ हृदय के महत्व को समझने वालों की संख्या में वृद्धि जरूर हुई है लेकिन साथ ही दुःखद पहलू यह भी है कि हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों की संख्या में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। दरअसल, गतिहीन जीवनशैली, खराब खान-पान और बढ़ता तनाव लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर रहा है। इसी के चलते हृदय रोग दुनिया के लगभग सभी हिस्सों में सबसे बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लेकिन यह भी सही है कि जागरूकता, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली के जरिए हृदय संबंधी बहुतेरी समस्याओं को रोका जा सकता है या बेहतर जीवनशैली से प्रबंधित किया जा सकता है।

स्वास्थ्य संबंधी इन्हीं सब कारणों से विश्व हृदय दिवस की परिकल्पना को साकार कर एक दिन विशेष इसे पूरे विश्व में मनाने के निश्चय किया गया ताकि लोगों को इस रोग की बारीकी और शुरुआती लक्षणों को पहचानने में मदद मिल सके। कम से कम इतनी जागरूकता तो आए कि लोग जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और त्तरित स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करने की दिशा में जागरूक हो सकें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, विश्व में सबसे ज्यादा मौतें हृदय रोग से होती हैं। हर साल लगभग एक करोड़ अस्सी लाख लोग इसकी वजह से अपनी जान गंवा देते हैं विश्व हृदय दिवस की शुरुआत वर्ष 2000 में विश्व हृदय महासंघ द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से की गई। इसका उद्देश्य हृदय रोगों और उनकी रोकथाम के लिए आवश्यक उपायों के बारे में वैश्विक जागरूकता पैदा करना था। यह दिन हर साल 29 सितंबर को मनाया जाता है, जो दुनिया भर के व्यक्तियों, स्वास्थ्य संगठनों और समुदायों को हृदय स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने और निवारक उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ लाता है।

संवादों की मोहताज नहीं कला :तकनीकी शोर के बीच मूक सिनेमा का कालजयी दर्शन

(29 सितंबर विश्व मूक सिनेमा दिवस)

आज का सिनेमा आधुनिक तकनीक, डॉल्बी साउंड और भारी-भरकम विजुअल इफेक्ट्स के शोर से भरा हुआ है। ऐसे दौर में क्या हम उस सिनेमा की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ न संवाद थे, न बैकग्राउंड स्कोर और न ही बोलते चिह्नते हुए किरदार? आज 29 सितंबर को विश्व मूक फिल्म दिवस है। यह दिन सिनेमा के इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि अभिनय की उस शुद्धतम कला को समझने का मौका है, जहाँ संवादों की अभिव्यक्ति के बिना सिर्फ आंखों और चेहरों से कहानियां पढ़ें पर उतरती थीं। सिनेमा का एक बुनियादी सच यह है कि मेथड ऐक्टिंग के लिए आवाज की जरूरत कभी नहीं रही। संवाद केवल कहानी आगे बढ़ाने का जरिया हैं, लेकिन असल अभिनय सीधे दर्शक की आत्मा को छूता है। इसका सबसे बड़ा और कालजयी उदाहरण गुलज़ार की फिल्म कोशिश है। इस फिल्म में संजीव कुमार और जया बच्चन ने एक मूक-बंधर कपल की भूमिका निभाई थी। पूरी फिल्म में दोनों ने अपनी जुबां से एक शब्द भी नहीं बोला, लेकिन अपनी आंखों के उधराव, हाथों के कोमल इशारों और चेहरे की मर्मस्पर्शी खामोशी से दर्शकों को भीतर तक रला दिया। वह फिल्म इस बात की तस्दीक करती है कि जब भावनाएं गहरी होती हैं, तो शब्दों की जरूरत खुद-ब-खुद खत्म हो जाती है।

यदि हम सिनेमा का अध्ययन करें, तो पाएंगे कि सबसे अधिक अभिनेता वही हुए हैं जिनकी खामोशी और भाव-भंगिमाएं उनके संवादों से ज्यादा गुंजती थीं। ट्रेजडी किंग दिलीप कुमार इसका साक्षात् उदाहरण थे। उनके

तर्पण से पितरों को उनका अंश कैसे प्राप्त होता है अर्थात श्राद्ध में अर्पित सामग्री पितरों को कैसे मिलती है?

श्रद्धया दीयते यत् तत् श्राद्धम्

श्राद्ध का अर्थ है श्रद्धा से जो कुछ दिया जाए। पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किए गए दान का नाम ही श्राद्ध है। श्राद्ध कर्म पितृव्रण चुकाने का सरल व सहज माग है। पितृपक्ष में श्राद्ध करने से पितराण वर्षभर प्रसन्न रहते हैं। श्राद्ध कर्म से व्यक्ति केवल अपने सगे-सम्बन्धियों को ही नहीं, बल्कि ब्रह्मा से लेकर तृणपर्यन्त सभी प्राणियों व जगत को तुस करता है। पितरों की पूजा को साक्षात् विष्णुपूजा ही माना गया है। श्राद्ध को वस्तुएं पितरों को कैसे मिलती है ? प्रायः कुछ लोग यह शंका करते हैं कि श्राद्ध में समर्पित की गई वस्तुएं पितरों को कैसे मिलती है? कर्मों की भिन्नता के कारण मरने के बाद गतियां भी भिन्न-भिन्न होती हैं- कोई देवता, कोई पितर, कोई प्रेत, कोई हथी, कोई चींटी, कोई वृक्ष और कोई तृण बन जाता है। तब मन में यह शंका होती है कि छोटे से पिण्ड से अलग-अलग योनियों में पितरों को तुस कैसे मिलती है? इस शंका का स्कन्दपुराण में बहुत सुन्दर समाधान मिलता है। एक बार राजा करन्धम ने महायोगी महाकाल से पूछ्ा चन्मुन्यों द्वारा पितरों के लिए जो तर्पण या पिण्डदान किया जाता है तो वह जल, पिण्ड आदि तो यहीं रह जाता है फिर पितरों के पास वे वस्तुएं कैसे पहुंचती हैं और कैसे पितरों को तुस होती है? भगवान महाकाल ने बताया कि विश्व

हृदय रोग के बढ़ते जोखिम और इसके कारकों को समझने, चेतावनी संकेतों को पहचानने और स्वस्थ आदतों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए इस पहल की शुरुआत की गई थी जो सार्थक प्रतीत हो रही है। अब यह विगत 26 वर्षों से, समूचे विश्व में स्वस्थ हृदय को लेकर जागरूकता फैलाने, रोकथाम और प्रारंभिक देखभाल के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए एक वैश्विक मंच बन गया है। हर वर्ष यह दिन एक अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस बार इस दिन पर विश्व हृदय महासंघ ने डॉट मिस ए बीट थीम रखी है जिसमें काफी कुछ संकेत छुपे हैं। इस संदेश को दोहराया गया है कि हृदय रोग अक्सर गंभीर जटिलताओं का कारण बनने तक अनदेखा रह जाता है। हार्ट अटैक आने से कुछ हफ्ते पहले सीने में हल्का दर्द, अत्यधिक थकान और सांस फूलने जैसे संकेत मिलने लगते हैं। एसीडिटी, सीने में हल्का दबाव, जकड़न या भारीपन महसूस होना, जो काम करने पर बढ़ता है और आराम करने पर कम हो जाता है। बिना किसी भारी काम के हर समय बहुत ज्यादा थका हुआ और कम ऊर्जा महसूस होना। सांस लेने में तकलीफ जैसे सीढ़ियां चढ़ने या

बोले गए डायलॉग्स जितने मशहूर हैं, उससे कहीं ज्यादा प्रभावशाली उनके चेहरे का वो खालीपन और उदासी थी जो कैमरे के क्लोज-अप में नजर आती थी। यही बात इरफान खान पर भी लागू होती है। इरफान स्क्रीन पर बिना कुछ बोले सिर्फ अपनी गहरी, रहस्यमयी आंखों और चेहरे के धीमे से बदलते हाव-भाव से पूरे दृश्य का मिजाज बदल देने का हुनर जानते थे। नसीरुद्दीन शाह और ओम पुरी ने भी स्थापित किया कि गुस्सा या बेबसी शब्दों में नहीं, बल्कि चेहरे की तनी हुई मांसपेशियों और तेज, स्थिर नजरों में दिखाई देती है। आज के दौर में नवाजुद्दीन सिद्दीकी का स्क्रीन प्रेजेंस भी इसी शारीरिक अभिनय और बाँड़ी लैंग्वेज की ताकत को बयां करता है। यही जादू चार्ली चैपलिन ने बिखेरा था। उन्होंने अपनी मूक कामेडी और चेहरे की अनूठी भाव-भंगिमाओं से

सामान्य काम करने के दौरान अचानक सांस फूलना। शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द- जबड़े में जकड़न, गर्दन, पीठ, कंधे या बाएं हाथ तक फैलना। ठंडा पसीना और बिना किसी मेहनत के चक्कर आना, अचानक से ठंडा पसीना आना, उल्टी जैसा महसूस करना। अचानक नींद न आना या सोते वक्त बेचैनी महसूस होना आदि इसके संकेत हैं। 2026 का अभियान तीन प्रमुख संदेशों पर आधारित है लक्षणों को पहचानें, अपने दिल की रक्षा करें, जीवन शैली परिवर्तन में समय के साथ बदलाव करें। जरा सी आहट होने पर तुरंत चिकित्सकीय मदद लें। दरअसल, हृदय रोग को लेकर एक भ्रांति भी है कि यह वृद्ध वयस्कों से जोड़ा जाता है, लेकिन यह किसी भी उम्र के लोगों को प्रभावित कर सकता है। उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मोटापा, धूम्रपान, दीर्घकालिक तनाव, शारीरिक निष्क्रियता, अपर्याप्त नींद और हृदय रोग का पारिवारिक इतिहास जैसे कारक समय के साथ जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इनमें से कुछ जोखिम धीरे-धीरे विकसित होते हैं और स्थिति गंभीर होने तक स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते हैं। ऐसी स्थिति में दिल के बचाव के लिए संतुलित आहार, शारीरिक रूप से सक्रिय रहना, तंबाकू से परहेज और रक्तचाप को नियंत्रित रखने जैसे छोटी-छोटी नियमित आदतें काफी हद तक जोखिम को कम कर सकती हैं। इनमें कई जोखिम की पहचान या संकेत हमारा शरीर दे रहा है। सच तो यह है कि हृदय की धड़कन को पहचानने की कला से भी काफी हद तक इस रोग को समझ कर समय रहते चेता जा सकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति की हृदय की धड़कन 60 से 100 प्रति मिनट होनी चाहिए। इसके लिए नियमित रूप से चिकित्सकीय परामर्श व जाँच की आजकल हर कहीं आसानी से सुविधाएं उपलब्ध है। हृदय की एक-एक धड़कन महत्वपूर्ण है। इसलिए डॉट मिस ए बीट थीम के साथ इस बार हृदय संबंधी रोगों को लेकर जन-जागरूकता को और फैलाएं।

(लेखक- ऋणुपर्ण दवे)

संवादों की मोहताज नहीं कला :तकनीकी शोर के बीच मूक सिनेमा का कालजयी दर्शन

की अद्भुत क्षमता के लिए जानी जाती हैं।आज का सिनेमा भले ही 4थ और 3ड तकनीक से लैस हो चुका हो, लेकिन इस तकनीकी शोर में कहीं न कहीं वह जादुई सिनेमा की कला कुछ मद्धम हुई है। मूक फिल्म दिवस हमें याद दिलाता है कि दादासाहेब फालके ने जब 1913 में राजा हरिश्चंद्र बनाई थी, तो वह कला का सबसे शुद्ध रूप था। आज के कलाकारों को यह समझने की जरूरत है कि सिनेमा बुनियादी तौर पर एक दृश्य माध्यम है। जब तक कैमरे के सामने बैठा कलाकार अपनी खामोशी और एक्सप्रेसशनस से दर्शक को बांधने का हुनर नहीं सीखता, तब तक भारी-भरकम संवाद भी बेअसर साबित होते हैं क्योंकि भाव ही सिनेमा की असल पहचान है।

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(लेखक स्तंभकार हैं)

मन की बात ने रेडियो को फिर बनाया जनसंवाद का सशक्त माध्यम गांवों की चौपाल से देश के विकास तक पहुंचती प्रधानमंत्री की आवाज

डिजिटल युग में जब समाचार और विचारों के लिए मोबाइल फोन तथा इंटरनेट सबसे तेज माध्यम बन चुके हैं, तब रेडियो पर प्रसारित होने वाला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ‘मन की बात’ कार्यक्रम अपनी अलग पहचान बनाए हुए है। महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले इस कार्यक्रम का इंतजार देश के अनेक हिस्सों में लोग पहले से करते हैं। कहीं परिवार साथ बैठकर इसे सुनता है तो कहीं गांव की चौपाल, पंचायत भवन या सार्वजनिक स्थान पर लोग रेडियो अथवा टेलीविजन के माध्यम से सामूहिक रूप से कार्यक्रम सुनते हैं। यही सामूहिक श्रवण ‘मन की बात’ को केवल प्रधानमंत्री का संबोधन नहीं रहने देता, बल्कि इसे समाज और देश के बीच संवाद का माध्यम बनाता है।‘मन की बात’ की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें केवल सरकार की योजनाओं या उपलब्धियों की चर्चा नहीं होती, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सामान्य नागरिकों द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों को भी सामने लाया जाता है। प्रधानमंत्री अक्सर ऐसे लोगों का उल्लेख करते हैं जिन्होंने अपने छोटे से प्रयास को सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाया। किसी ने पर्यावरण संरक्षण का बीड़ा उठाया, किसी ने स्थानीय कला और परंपरा को बचाने का प्रयास किया, किसी ने स्वच्छता को अभियान बनाया तो किसी ने युवाओं को सामाजिक कार्यों से जोड़ने की पहल की। इस तरह कार्यक्रम में देश के उन लोगों को राष्ट्रीय मंच मिलता है, जिनका काम सामान्य परिस्थितियों में स्थानीय सीमा से आगे नहीं पहुंच पाता।27 सितंबर 2026 को प्रसारित 138वें एपिसोड में भी राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर जनगणना, स्वच्छता, नशामुक्ति, सांस्कृतिक परंपराओं और वन्यजीव संरक्षण जैसे विभिन्न विषयों को जोड़ा गया। प्रधानमंत्री ने सर्जिकल स्ट्राइक की दसवीं वर्षगांठ का उल्लेख करते हुए आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का जिक्र किया। साथ ही 2008 के दिल्ली सीरियल ब्लास्ट, मुंबई के 26/11 हमले और अमेरिका में 11 सितंबर के आतंकी हमले को याद करते हुए पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इससे कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक जिम्मेदारी दोनों पहलू सामने आए।जनगणना को लेकर भी प्रधानमंत्री ने नागरिकों से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। वर्ष 2027 की जनगणना के लिए डिजिटल व्यवस्था और स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। केंद्र सरकार के अनुसार जनगणना दो चरणों में होगी और इसके लिए बड़ी संख्या में मैदान की गर्मचारी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में नागरिकों की भागीदारी को राष्ट्रीय दायित्व के रूप में सामने रखना कार्यक्रम का महत्वपूर्ण संदेश रहा।स्वच्छता का विषय भी ‘मन की बात’ में लगातार सामाजिक अभियान के रूप में सामने आता रहा है। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता के महत्व को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर सामने आ रहे स्वच्छता संबंधी प्रयासों का उल्लेख किया। इसका महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि स्वच्छता केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं है। सड़क, मोहल्ले, विद्यालय, बाजार और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में नागरिकों की भागीदारी ही किसी अभियान को स्थायी रूप दे सकती है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोट)

विभाग की चुप्पी कहीं भारी न पड़ जाए

ग्रामीण क्षेत्रों में जानलेवा गड़े दे रहे हादसों को न्योता

जिले के कई मार्गों पर बारिश ने खोली सड़कों की पोल



कटनी, यशभारत। बारिश के दौर के बीच जिलेभर की सड़कों की बदहाल तस्वीर अब लोगों के लिए परेशानी के साथ हादसे का खतरा भी

बनती जा रही है। ग्रामीण और संपर्क मार्गों पर जगह-जगह उभरे गड्ढे, उखड़ी सड़कें और जलभराव ने आवागमन मुश्किल कर दिया है।

बाकल ग्राम की करीब एक किलोमीटर सड़क भी इसी बदहाली की तस्वीर सामने ला रही है, जहां सड़क पर जगह-जगह करीब एक फीट तक गहरे

और चौड़े गड्ढे उभे चुके हैं। बारिश का पानी भर जाने से कई गड्ढे दिखाई तक नहीं देते और वाहन चालक अचानक उनमें फंसकर दुर्घटना का

शिकार हो रहे हैं। बहोरीबंद के बाकल का यह मार्ग स्थानीय लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी रास्ते से पीएम श्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों का रोजाना आवागमन होता है। सुबह-शाम स्कूल आने-जाने वाले बच्चों के बीच सड़क की बदहाली की लेकर हादसे का खतरा बना रहता है। इतना ही नहीं, प्रसव के लिए महिलाओं को अस्पताल ले जाने वाली डिलीवरी गाड़ियों को भी इसी जर्जर रास्ते से गुजरना पड़ता है। ऐसे में सड़क के गड्ढे मरीजों और उनके परिजनों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क लंबे समय से खराब हालत में है। पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को कई बार समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक स्थायी सुधार नहीं हुआ। बारिश के बाद स्थिति और खराब हो गई है। पैदल चलने वालों से लेकर दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों तक को हर दिन जोखिम उठाकर इस मार्ग से गुजरना पड़ रहा है।

कई जगह डामर उखड़ने से सड़क की सतह खराब हो चुकी है तो कहीं पुराने गड्ढे बारिश के पानी से और गहरे हो गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने वाली सड़कों पर हालात ज्यादा चिंताजनक बताए जा रहे हैं। इन मार्गों पर स्कूल बसों, यात्री वाहनों, एंबुलेंस और रोजमर्रा के आवागमन का दबाव रहता है। बारिश के दौरान सड़क पर पानी भरने से गड्ढों की गहराई दिखाई नहीं देती। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा और बढ़ जाता है। रात के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है, जब खराब सड़क और जलभराव के कारण वाहन चालक गड्ढों का अंदाजा नहीं लगा पाते।

शिकायतों के बाद भी इंतजार क्यों?

ग्रामीणों का सवाल है कि जब सड़कों की हालत पहले से खराब है और बारिश के दौरान दुर्घटना का खतरा बढ़ता तब है, तो संबंधित विभाग समय रहते मरम्मत क्यों नहीं कराता? क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही विभाग की नौद टूटेगी? ग्रामीणों ने प्रशासन और पीडब्ल्यूडी विभाग से जिलेभर में जर्जर सड़कों का सर्वे कराकर गड्ढों की तत्काल मरम्मत और खराब मार्गों का स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराने की मांग की है।

बाकल अकेला नहीं, जिले के कई मार्गों पर यही तस्वीर

सड़क की यह स्थिति केवल बाकल तक सीमित नहीं है। जिले के ग्रामीण इलाकों में बारिश के बाद कई सड़कें गड्ढों और जलभराव की चपेट में हैं।

पिपरिया बीट में वन भूमि की सफाई कर रही थीं महिलाएं

वन भूमि पर अतिक्रमण की कोशिश नाकाम

सूचना पर पहुंचा वन अमला; डीएफओ ने समझाइश देकर रुकवाया काम

कटनी, यशभारत। बड़वारा वन परिक्षेत्र के पिपरिया बीट में वन भूमि पर अतिक्रमण की कोशिश को वन विभाग ने समय रहते रोक दिया। ग्राम पिपरिया की करीब 60-70 महिलाएं वन भूमि की सफाई कर रही थीं। सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और सफाई का काम रुकवाया। मौके पर डीएफओ गर्वित गंगवार और बड़वारा रेंज अधिकारी दशमत सिंह ने वन अमले के साथ ग्रामीणों से चर्चा की। अधिकारियों ने ग्रामीणों को वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) के प्रावधानों की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत वन अधिकार के लिए 13 दिसंबर 2005 से पहले से वन भूमि पर काबिज होना आवश्यक है। यह अधिनियम की निर्धारित कटऑफ तिथि है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि सामुदायिक अधिकारों के तहत वन भूमि पर बसने अथवा खेती करने का अधिकार नहीं मिलता।



बहकावे में आने से किया आगाह

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की कि वे ऐसे किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएँ, जो नई वन भूमि साफ कराकर खेती या बसाहट के लिए जमीन दिलाने का दावा करता हो। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह के दावों के चलते ग्रामीण कानूनी कार्रवाई में फंस सकते हैं। समझाइश के बाद ग्रामीणों ने भविष्य में वन भूमि पर अतिक्रमण अथवा कटाई-सफाई नहीं करने का आश्वासन दिया। वन विभाग ने वन संपदा की सुरक्षा के लिए क्षेत्र में निगरानी और गश्त जारी रखने की बात कही है।

गोलबाजार रामलीला की नई कार्यकारिणी गठित

अशोक विश्वकर्मा बने अध्यक्ष, 4 अक्टूबर से शुरू होगा मंचन, रामनगर की धर्मराज पाठक मंडली देगी प्रस्तुति

कटनी, यशभारत। शहर में वर्ष 1884 से निरंतर चली आ रही ऐतिहासिक गोलबाजार रामलीला की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। आगामी आयोजन को लेकर भूमि पूजन समिति के उपाध्यक्ष रवि खरे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर वर्ष 2026 के नवीन सत्र के लिए कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। सर्वसम्मति से अशोक विश्वकर्मा को अध्यक्ष तथा भरत अग्रवाल को सचिव चुना गया। उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी रवि खरे, रणवीर कर्ण, राजेन्द्र सांधिया, टिल्लू सिंघानिया, मृदुल द्विवेदी, अशोक कनकने और रामजी यादव को सौंपी गई है। गोलबाजार में 4 अक्टूबर से रामलीला का मंचन प्रारंभ होगा, जिसमें रामनगर की प्रसिद्ध धर्मराज पाठक मंडली द्वारा प्रभु श्रीराम के जीवन प्रसंगों की प्रस्तुति दी जाएगी।

इन्हें मिली प्रमुख जिम्मेदारियां

कार्यकारिणी में कैलाश मिश्रा (एडवोकेट) व मनीष कुमार शुक्ला को कोषाध्यक्ष, अर्पित अग्रवाल व भगत सिंह को आय-व्यय निरीक्षक तथा कैलाश गुप्ता, शरद अग्रवाल व सैयद सादिक को कार्यालय प्रभारी बनाया गया है। सहसचिव पद पर गिरधारी लाल शर्मा, मनीष शुक्ला, आदित्य प्रकाश अग्रवाल सहित 12 सदस्यों को दायित्व मिला है। मैदान के संरक्षण व संवर्धन के लिए संजय अग्रवाल (बबलू भैया) को प्रभारी नियुक्त किया गया है, जो मैदान को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए आवश्यक कानूनी व प्रशासनिक कार्यवाही देखेंगे। मंच व्यवस्था महेन्द्र शर्मा व सत्यदर्शन मिश्रा, पंडाल व्यवस्था ललित गुप्ता व शिबू लाडू, प्रचार-प्रसार गोपाल सिंघानिया व बाल्मीकि पाण्डेय तथा दशहरा जुलूस व चल समारोह समन्वय की कमान गोपाल सिंघानिया, अशेष तिवारी व नीरज चौधवा की टीम को सौंपी गई है।

बरसी मेले में उमड़ेगी भीड़

व्यवस्थाओं को लेकर निगम ने कसी कमर

महापौर ने मेला स्थल का निरीक्षण कर स्वच्छता, पेयजल, रोशनी, यातायात और आवागमन व्यवस्था समय पर दुरुस्त करने के दिए निर्देश

कटनी, यशभारत। वर्षी मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए नगर निगम ने व्यवस्थाओं की तैयारियां शुरू कर दी हैं। महापौर प्रीति सूरि ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ मेला स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मौके पर व्यवस्थाओं की स्थिति देखी और मेले से पहले सभी जरूरी इंतजाम पूरे करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, आवागमन और यातायात प्रबंधन को लेकर



अधिकारियों से जानकारी ली गई। महापौर ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं, ताकि मेले के दौरान किसी तरह की अव्यवस्था सामने न आए।

मेला स्थल की साफ-सफाई नियमित रखने के साथ ही आवश्यक नागरिक सुविधाओं की लगातार निगरानी करने के

निर्देश दिए गए। भीड़ को देखते हुए विभागों के बीच बेहतर समन्वय और यातायात व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त प्रियंका झरिया, एमआईसी सदस्य सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद विनोद लाला यादव, एलडरमैन नरेश अग्रवाल सहित मेला समितियों के सदस्य और निगम कर्मचारी मौजूद रहे।

बस चालकों की मनमानी के खिलाफ सड़कों पर उतरे छात्र

मनमाना किराया, रसीद नहीं देने और छात्र छूट का लाभ न मिलने के आरोप

तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

कटनी, यशभारत। बहोरीबंद बस संचालकों द्वारा कथित रूप से मनमाना किराया वसूलने जाने, किराए की रसीद नहीं देने और छात्र-छात्राओं को निर्धारित छूट का लाभ नहीं मिलने के विरोध में सोमवार को बहोरीबंद में सैकड़ों विद्यार्थी सड़क पर उतर आए। ‘बहोरीबंद छात्र संगठन’ के बैनर तले छात्र-छात्राओं ने बस व्यवस्था के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन के बाद विद्यार्थियों ने एसडीएम के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने आरोप लगाया कि ग्रामीण क्षेत्रों से बहोरीबंद स्कूल और कॉलेज आने वाले विद्यार्थियों से कई बार निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूली जाती है। अतिरिक्त किराया देने से इनकार करने पर बस स्टाफ द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायत भी विद्यार्थियों ने प्रशासन के सामने रखी।



ग्रामीण छात्रों पर बढ़ रहा आर्थिक बोझ

छात्र छूट लागू कराने की मांग

विद्यार्थियों का कहना है कि आसपास के गांवों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पढ़ाई के लिए बहोरीबंद आते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन के सीमित विकल्प होने के कारण उन्हें बसों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में यदि निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूली जाती है तो इसका सीधा असर विद्यार्थियों और उनके परिवारों की जेब पर पड़ता है। छात्रों ने प्रशासन से बसों में निर्धारित किराया स्पष्ट रूप से प्रदर्शित कराने और यात्रियों से वसूलने वाले किराए की रसीद अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने की मांग की है। उनका कहना है कि रसीद मिलने से किराया वसूली में पारदर्शिता आएगी और मनमानी की शिकायतों की भी जांच आसानी से हो सकेगी।

ज्ञापन में विद्यार्थियों ने नियमानुसार छात्र-छात्राओं को मिलने वाली किराया छूट का लाभ दिलाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई। छात्रों का कहना है कि यदि शासन स्तर पर विद्यार्थियों के लिए किराया रियायत का प्रावधान है तो उसका पालन बस संचालकों द्वारा कराया जाना चाहिए। साथ ही निर्धारित किराए से अधिक राशि वसूलने और यात्रियों के साथ अभद्र व्यवहार की शिकायतों पर कार्रवाई की मांग की गई। विद्यार्थियों ने प्रशासन से मांगा कि जल्द निराकरण करने की अपील की है। साथ ही कहा कि यदि बसों में किराया वसूली की व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ और कथित मनमानी पर रोक नहीं लगी तो छात्र संगठन आगे आंदोलन करने को मजबूर होगा।

नगर सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप, आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने निगम गेट का ताला तोड़ा

नकली नोटों से भरे सूटकेस लेकर निगम पहुंचे युवा कांग्रेस कार्यकर्ता



कटनी, यशभारत। कटनी नगर निगम क्षेत्र में व्याप्त जनसमस्याओं, निर्माण कार्यों में अनियमितताओं, वर्षों से लंबित योजनाओं, भ्रष्टाचार एवं वित्तीय अनियमितताओं तथा मूलभूत सुविधाओं की बदहाल स्थिति के विरोध में मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस द्वारा नगर निगम कटनी के सामने अनूद्य प्रदर्शन करते हुए विशाल महाधेराव किया गया। आंदोलन का नेतृत्व प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया ने किया एवं कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश युवा कांग्रेस सचिव दिव्यांशु मिश्रा अंशु एवं जिला अध्यक्ष मोहम्मद इसराइल ने किया। हजारों की संख्या में युवा कार्यकर्ता एवं आम नागरिक रैली के रूप में नगर निगम पहुंचे एवं चार साल कटनी शहर बदहाल के नारे के साथ भाजपा महापौर के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। नगर निगम के सामने पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग कर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने विरोध स्वरूप नकली नोटों की गड़ियों से भरा सूटकेस नगर सरकार को सौंपा



और भ्रष्टाचार एवं कमीशनखोरी के आरोप जड़े, वहीं जल सप्लाई दोनों टाइम की मांग पर महिला कार्यकर्ताओं ने मटक फोड़कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान स्थिति उग्र तब हुई जब प्रदेश अध्यक्ष समेत युवा कांग्रेस नेता जनता की बात अधिकारियों तक रखना चाह रहे थे और कोई भी संबंधित अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा, तब कार्यकर्ता नगर निगम गेट का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और बैठकर नारेबाजी करने लगे।

महाधेराव जनता की आवाज : यश घनघोरिया

प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष यश लखन घनघोरिया ने कहा आज का महाधेराव कटनी की जनता की आवाज है। जनता टेक्स देती है तो उसे सड़क, पानी, सफाई, सीवर और अन्य मूलभूत सुविधाएं मिलना उसका अधिकार है। जिन मामलों में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आई हैं, उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए

मनोहर ‘मनोज’ को मिलेगा काका हाथरसी सम्मान

15 नवंबर को नई दिल्ली में एक लाख की सम्मान निधि से होंगे सम्मानित, देशभर के साहित्यकार जुटेंगे

कटनी, यशभारत। नगर के लोकप्रिय हास्य-व्यंग्य कवि मनोहर मनोज को प्रतिष्ठित काका हाथरसी हास्य पुरस्कार एवं हास्य रत्न से सम्मानित किया जाएगा। 15 नवंबर को नई दिल्ली स्थित सुरजीत भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मान समारोह में उन्हें एक लाख रुपए की सम्मान निधि प्रदान की जाएगी। काका हाथरसी ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक गर्ग एवं सदस्यों ने देश के चयनित हास्य-व्यंग्य साहित्यकारों में मनोहर मनोज का चयन किया है। मनोहर मनोज का काका हाथरसी से पुराना मंचीय जुड़ाव भी रहा है। उन्होंने काका



हाथरसी के साथ देश के विभिन्न कवि सम्मेलनों में काव्यपाठ किया है। कटनी में 1980 के दशक में फारेस्टर खेल मैदान में आयोजित कवि सम्मेलन में भी काका हाथरसी सहित देश के कई चर्चित कवियों ने हिस्सा लिया था। कुछ समय पूर्व बाबा बागेश्वर धाम में आयोजित कवि सम्मेलन में धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने भी मनोहर मनोज को सम्मानित किया था। सम्मान की घोषणा से साहित्यकारों और नगर के प्रभुजनों में हर्ष है।

आईसीसी का अनोखा नियम: क्या एक ही समय पर दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेल सकती है एक टीम?



नई दिल्ली (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट फैस इस समय रोमांच के डबल डोज का अनुभव कर रहे हैं, क्योंकि टीम इंडिया एक साथ दो अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग ले रही है। यह सुनने में थोड़ा असामान्य लग सकता है, लेकिन हकीकत यह है कि भारतीय टीम अपने घर में वेस्टइंडीज के खिलाफ लिमिटेड ओवरों की घरेलू सीरीज खेल रही है और साथ ही जापान में जारी एशियन गेम्स में भी हिस्सा ले रही है। इस स्थिति ने कई लोगों के मन में यह सवाल उठाया है कि आखिर एक ही समय पर टीम इंडिया दो अलग-अलग अलग इवेंट में कैसे खेल सकती है? आइए समझते हैं कि अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियम इस स्थिति के बारे में क्या कहते हैं।

आईसीसी के नियमों के अनुसार, एक ही समय पर एक देश की दो अलग-अलग नेशनल टीमों विभिन्न अंतराष्ट्रीय आयोजनों में भाग ले सकती है। आईसीसी के नियमों में ऐसा करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी हों। सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि भले ही एक समय पर एक देश की दो टीमों अलग-अलग इवेंट में खेल सकती हों, लेकिन वे एक ही टूर्नामेंट में दो टीमों नहीं उतार सकतीं। उदाहरण के लिए, जापान में चल रहे एशियन गेम्स में भारत की दो पुरुष टीमों हिस्सा नहीं ले सकतीं। यह नियम वनडे विश्व कप या टी20 विश्व कप जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों पर भी लागू होता है। यही कारण है कि कोई भी देश अपनी दो आधिकारिक टीमों एक ही



एक भारतीय क्रिकेटर मैदान में दौड़ते हुए।

45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया साक्षी तंवर ने



बॉलीवुड अभिनेत्री साक्षी तंवर ने केवल 45 साल की उम्र में शादी न करने का फैसला किया, बल्कि एक बेटी को गोद लेकर समाज के सामने मातृत्व का एक नया उदाहरण भी पेश करती हैं। टीवी, बॉलीवुड और ओटीटी पर अपनी दमदार अदाकारी के लिए मशहूर साक्षी तंवर ने अक्टूबर 2018 में, नवरात्रि के शुभ अवसर पर, नौ महीने की एक बच्ची को गोद लिया था। उन्होंने अपनी बेटी का नाम दिया रखा, जिसका अर्थ है प्रार्थनाओं का जवाब या देवी लक्ष्मी का एक रूप। जब उन्होंने दिया को गोद लिया, तब वह 45 साल की थीं और उन्होंने इस फैसले को अपनी जिंदगी का सबसे खूबसूरत और महत्वपूर्ण मोड़ बताया था। यह कदम दर्शाता है कि मातृत्व के लिए पारंपरिक विवाह की जरूरत नहीं होती, बल्कि यह एक भावनात्मक बंधन है। साक्षी ने कभी यह नहीं कहा कि वह शादी के खिलाफ हैं, बल्कि उनका मानना ​​है कि शादी सिर्फ इसलिए नहीं करनी चाहिए क्योंकि समाज या परिवार ऐसा चाहते हैं। उन्हें अब तक कोई ऐसा व्यक्ति नहीं मिला, जिसके साथ वह पूरी जिंदगी बिताते का फैसला कर सकें। साक्षी का मानना ​​है कि शादी जबदस्तगी या जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सही इंसान के मिलने पर होनी चाहिए।

उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा था कि शादी अपने आप होनी चाहिए और अगर किस्मत में होगी तो हो जाएगी, अन्यथा इसका मतलब यह नहीं कि जिंदगी अधूरी रह जाएगी। साक्षी तंवर का जन्म 12 जनवरी 1973 को राजस्थान के अलवर में हुआ था। उनके पिता राजेंद्र सिंह तंवर सीबीआई में अधिकारी रह चुके हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद साक्षी का सपना प्रशासनिक सेवा में जाने का था। उन्होंने दिल्ली के लेडी श्री राम कॉलेज से पढ़ाई की और आईएएस की तैयारी भी की। उस दौरान अपने खर्चों के लिए उन्होंने एक होटल में प्रशिक्षु के तौर पर भी काम किया था। उनका अभिनय की दुनिया में आना किसी योजना का हिस्सा नहीं था।

विराट कोहली ने शतक और 15 हजार वनडे रन के बाद करियर, फिटनेस और युवाओं पर की खुलकर बात

बोले -फ्री माइंड के लिए फिट शरीर जरूरी

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शानदार शतक लगाने के साथ 15 हजार वनडे रन पूरे करने वाले विराट कोहली ने अपने करियर, फिटनेस, मानसिक तैयारी, युवा खिलाड़ियों और शुभमन गिल के साथ साझेदारी को लेकर खुलकर बात की। कोहली इस आंकड़े तक सबसे तेजी से पहुंचने वाले बल्लेबाज बने। हालांकि, उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत उपलब्धियां कभी

उनके लक्ष्य का हिस्सा नहीं रही और उनका ध्यान हमेशा परिस्थितियों को समझकर टीम के लिए योगदान देने पर रहा है। 15 हजार वनडे रन पूरे करने के बाद कोहली ने कहा कि उन्होंने कभी व्यक्तिगत रिकॉर्ड के बारे में सोचकर बल्लेबाजी नहीं की। उनका पूरा ध्यान स्थिति के मुताबिक टीम के लिए अपना काम करने पर रहा है। उन्होंने कहा कि उपलब्धियां अपने आप आती हैं और इतने लंबे समय तक क्रिकेट खेलने तथा इस मुकाम तक पहुंचने के लिए वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं। कोहली ने अपनी सफलता का श्रेय कड़ी



मेहनत और मिले अवसरों के लिए ईश्वर के प्रति आभार को दिया। अपनी निरंतरता के बारे में कोहली ने कहा कि खेल की समझ के साथ इस उम्र और करियर के पड़ाव पर फिटनेस भी बेहद महत्वपूर्ण है।

उनका कहना है कि मानसिक रूप से तरोताजा रहना और वर्तमान ध्यान केंद्रित करना उनके लिए जरूरी है। कोहली ने बताया कि वह अपने खेल में एक-दो गिगर ऊपर जाने की चुनौती पर काम कर रहे हैं

सकारात्मक क्रिकेट, लेकिन लापरवाही नहीं

कोहली ने कहा कि उन्होंने खुद से सकारात्मक क्रिकेट खेलने का वादा किया है, लेकिन इसका मतलब लापरवाह शॉट खेलना नहीं है। एक अनुभवी और पेशेवर खिलाड़ी के रूप में उन्हें आक्रामकता और जिम्मेदारी के बीच संतुलन बनाए रखना है। उनका कहना है कि जब भी मैदान पर उतरें, तो दबाव या चिंता के बजाय खुशी के साथ खेलें और टीम की जरूरत के मुताबिक

एशियन गेम्स : बारिश ने भारत को सीधे पहुंचाया सेमीफाइनल में

बेहतर रैंकिंग के आधार मिला अंतिम चार का टिकट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत ने एशियन गेम्स में बिना एक भी गेंद खेले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सोमवार को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला क्रांतर फाइनल मैच बारिश के कारण रद्द हो गया, जिसके बाद टूर्नामेंट के नियमों के तहत बेहतर रैंकिंग के आधार पर टीम इंडिया को अंतिम चार का टिकट मिल गया। यह घटनाक्रम काफी दिलचस्प रहा, क्योंकि इससे पहले पाकिस्तान बनाम हांगकांग क्रांतर फाइनल मैच भी बिना किसी खेल के रद्द हो गया था, और पाकिस्तान भी इसी नियम के तहत सेमीफाइनल में पहुंच गया। भारत बनाम अफगानिस्तान का यह मुकाबला सुबह 10 बजे से शुरू होना था, जिसमें टॉस का समय



9:30 बजे निर्धारित था। टॉस में थोड़ी देरी हुई, लेकिन लगभग 5 मिनट के इंतजार के बाद ही मैच रद्द होने की घोषणा कर दी गई। ऐसे में कई क्रिकेट प्रेमियों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आमतौर पर क्रिकेट में बारिश होने पर कुछ देर इंतजार किया जाता है, तो इस बार इतनी जल्दी फैसला क्यों लिया गया? इसका कारण कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क स्टेडियम की मौजूदा स्थिति में निहित है। सोमवार को तेज बारिश शुरू होने से पहले ही मैदान काफी गीला था। दरअसल, रविवार को भी यहां

17 साल के खिलाड़ी ने यूथ टेस्ट में रचा इतिहास ऑस्ट्रेलिया 19 के खिलाफ लगाया दोहरा शतक

राजकोट, यशभारत। राजकोट के निरंजन शाह क्रिकेट स्टेडियम में इंडिया 19 और ऑस्ट्रेलिया 19 के बीच पहला अनऑफिसियल टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मैच में 17 साल के युवा बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए दोहरा शतक जड़ दिया है। इस मैच के दूसरे दिन उन्होंने महज 256 गेंदों में 20 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 210 रन बनाए। उनकी इस बेहतरीन पारी की बदौलत भारत



अंडर-19 की टीम ने पहली पारी में 430 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया पर 213 रनों की मजबूत बढ़त बना ली। इंडिया 19 और ऑस्ट्रेलिया 19 मैच का स्कोरकार्ड आप यहां देख सकते हैं। राजकोट में दोहरा शतक ज?कर लक्ष्य रायचंदानी ने इतिहास रच दिया है। वे दुनिया के पहले ऐसे युवा क्रिकेटर बन गए हैं जिन्होंने यूथ टेस्ट मैचों में दो दोहरे शतक लगाए हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने इससे पहले श्रीलंका दौरे पर गॉल में खेलते हुए 207 रनों की शानदार पारी खेली थी, और इसके बाद कोलंबो में भी एक शतक जड़ा था। अब उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शतक जड़कर एक नया इतिहास रच दिया है। इस महीने की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे यूथ वनडे में नाबाद 110 रन बनाने वाले 17 साल के रायचंदानी ने टेस्ट फॉर्मेट में भी शानदार बल्लेबाजी की और अपने अच्छे फॉर्म को बनाए रखा। सलामी बल्लेबाज सागर विक्रम के सिर्फ 11 रन पर आउट हो जाने के बाद, रायचंदानी ने पूरे दिन संभलकर बल्लेबाजी की। दूसरे छोर से लगातार विकेट गिरते रहे, फिर भी उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया। वह दिन के अंत तक नाबाद रहे। रायचंदानी को कप्तान यशवर्धन चौहान (54 रन) और मोहित उल्वा (नाबाद 58 रन) का बेहतरीन साथ मिला। रायचंदानी और मोहित ने अब तक 9वें विकेट के लिए 137 रन की पार्टनरशिप कर ली है। इससे पहले, उन्होंने चौहान के साथ मिलकर तीसरे नंबर पर 124 रनों की मजबूत साझेदारी भी की थी। अब टेस्ट मैच के तीसरे दिन रायचंदानी अपनी इस पारी को और बढ़ा? करना चाहेंगे और साथ ही तिहाय शतक लगाने की कोशिश करेंगे। मैच में इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 217 रन पर सिमट गई थी, जिसमें ब्लेक कैटल ने सबसे ज्यादा 102 रन बनाए। भारत की ओर से गेंदबाजी में बाएं हाथ के स्पिनर ईशान ओम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 53 रन देकर 5 विकेट झटकें, जबकि मोहित उल्वा ने भी 37 रन देकर 3 खिलाड़ियों को आउट किया।

रंग संभार

लस्ट स्टोरीज़ 3 में पेश की ससुर के साथ पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज़ 3 में अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अपने प्रदर्शन के लिए मिल रहे अपार प्यार का आनंद ले रही हैं। अदिति ने फिल्म में सायरा के रूप में न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पढ़ें पर उतारती हैं, बल्कि गजराज राव द्वारा अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक मार्मिक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पढ़ें पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। अदिति ने बताया, चूंको कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया।जवह आगे कहती हैं, च्कहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा



प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। क्योंकि हर कोई कहता है, ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है। लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुर में एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है।ज अदिति के अनुसार, यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहाँ इच्छाएं अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं। वह इस बात पर जोर देती हैं कि एक लड़की का अपनी कला के लिए अपना साहस तलाश पाना, यह भी बेहद अद्भुत है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत

है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। अदिति मानती हैं कि लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आवाज है.



सह-कलाकार के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया, तो क्या बड़ी बात है: गोविंदा

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक साक्षात्कार में बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा ने अपने उपर लग रहे आरोपों पर खुलकर बात की। गोविंदा अपनी आगामी फिल्म रूपा की सफलता के लिए प्रार्थना करने लालबागचा राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। उनके इस दौर को लेकर हो रही चर्चाओं पर उन्होंने कहा, इससे पहले मैं करिश्मा कपूर के साथ गया था और फिल्म हिट हुई थी। मैं रवीना टंडन के साथ गया था और मेरी फिल्म हिट हुई थी। यह मेरे लिए गुड लक है। लंबे समय बाद फिर से काम की शुरुआत कर रहा हूँ, इसलिए मैंने अपनी सह-कलाकार के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया। इसमें क्या बड़ी बात है? क्यों इतनी बातें हो रही हैं? उनके बयान से यह स्पष्ट होता है कि वह इन दर्शनों को अपने लिए एक शुभ संकेत मानते हैं। एक तरफ गोविंदा लंबे समय बाद फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रहे हैं, वहीं उनके बेटे यशवर्धन आहुजा भी बॉलीवुड में कदम रखने के लिए तैयार हैं। यशवर्धन फिल्म हिरों की हॉरइड्स से अभिनय की दुनिया में पदार्पण करने जा रहे हैं। यह फिल्म 7 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस



फिल्म में यशवर्धन के अलावा सुनीता आहुजा, नितांशी गोयल, जेमी लीवर, चंकी पांडे, बिजेंद्र काला और सिमरत कौर रंधावा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह गोविंदा और उनके परिवार के लिए एक रोमांचक समय है, जहाँ वे एक साथ नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं। गोविंदा ने अपनी

आने वाली योजनाओं के बारे में और दिगज कलाकार अनुपम खेर के साथ अपने अनुभवों पर खुलकर बात की है। उन्होंने रियलिटी शो में अपनी संभावित भागीदारी को लेकर चल रही अटकलों पर भी स्पष्टीकरण दिया। गोविंदा ने अनुपम खेर के अभिनय की जमकर तारीफ की। अनुपम खेर ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में गोविंदा की कला की प्रशंसा करते हुए कहा था कि इम्प्रोवाइजेशन, अभिनय और नृत्य में कोई उनका मुकाबला नहीं कर सकता। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए गोविंदा ने कहा, अनुपम खेर देश के बेहतरीन कलाकारों में से एक हैं। उनके साथ काम करते समय मुझे एहसास हुआ कि वह कितने सरल, सहज और जमीनी इंसान हैं। वह हमेशा दूसरों के बारे में सोचते हैं और यदि उन्हें लगता है कि किसी काम को शूटिंग के बाद और बेहतर बनाया जा सकता था, तो वह खुद फोन करके उस पर बात करते हैं। यह टिप्पणी अनुपम खेर के साथ उनके गहरे सम्मान और व्यावसायिक रिश्ते को दर्शाती है। पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि गोविंदा किसी रियलिटी शो का हिस्सा बन सकते हैं।

